Padma Bhushan

DR. SHOBANA CHANDRAKUMAR

Dr. Shobana Chandrakumar is a versatile artist and has the distinction of being an exponent of Bharatanatyam, a feature film actor, film choreographer, dramatist, music composer and a playwright.

2. Born on 21st March, 1970, Dr. Shobana has presented the classical art of Bharatanatyam to audiences in India and abroad appealing to diverse generations of the public as well as earning her critical acclaim. Her method, which is inspired from the ancient Sanskrit treatise of Drama, the Natya Shastra, is resonant with the general populace, thereby allowing her to broaden the scope of Bharatanatyam. She has incorporated both subtle and theatrical forms of abhinaya into her approach to ensure that it is inclusive of her audience. She is a disciple of Padma Shri awardee Smt. Chitra Visweswaran and Padma Vibhushan awardee Dr. Padma Subrahmanyam. Her dance form and philosophy of movement are a brilliant confluence of both her gurus of the famed Vazhuvoor tradition, exemplified in her practice and performance for 50 years.

3. Dr. Shobana has been teaching the traditional art of Bharatanatyam since the year 1992. As an institutionalist, she has cultivated the individual artistry of her students, where a large number of traditional padavarnams, padams, and javalis are taught exclusively. Her dance theatre repertoire includes traditional and contemporary works, such as Thiruchitrambalam, BHAV, Shyama, Nayika, Sampradaya, Sur Taal Srinagar, and Navarasa. She explores Hindu mythology, social issues, women's emancipation, and music, incorporating Bharatanatyam and Hindustani music, involving luminaries like as Ustad Zakir Hussain and Vikku Vinayak Ram. In contemporary dance, her creations Trance, Krishna, and Maya Ravan have been showcased over 400 times globally, enchanting audiences with her interpretations of Indian mythology in a modern yet authentic manner.

4. Dr. Shobana is an icon of the South Indian film industry. She has acted in over 230 feature films in six Indian languages. She has revolutionized the art form of Bharatanatyam in cinema through her Bharatanatyam performances. She has inspired every artistically inclined girl child in Kerala to study the art form after her Bharatanatyam dances in the iconic film Manichitrathazhu. She has choreographed traditional dances for films such as Kochadaiyyan (2010), with Rajinikanth. She has also choreographed traditional dances in the iconic film Thalapathi and Ravan, directed by Mani Ratnam. The English film Dance Like A Man (1993), which received the National Film Award for Best Feature Film, was also choreographed by her. Furthermore, her portrayal in Manichitrathazhu (1993), which garnered her first National award for best actress, remains emblematic in the Indian cinema industry. She later received her second National Award for Best Actress for her performance in the English film Mitr, My Friend.

5. Dr. Shobana has performed at esteemed venues worldwide with traditional dance and theatre. She has performed at various festivals, including the World Music Institute, the Cleveland Museum, the Musee Guimet, and the Rhythm Sticks Festival. In 1997, she was featured at Michael and Friends, a charitable event in Munich, Germany, where Michael Jackson performed as the showstopper. She has collaborated with renowned musicians and dancers, including Ustad Zakir Hussain, Vallayapatty Subramaniam, Vikku Vinayak Ram, Dr. Padma Subrahmanyam, Dr. Sonal Mansingh, and others.

6. Dr. Shobana possesses two honorary doctorates and a D.Litt. She is presently directing the documentation of the Thanjavur temples of South India.

7. Dr. Shobana has been honored with many awards . In 2006, she was awarded the Padma Shri, Her remarkable acting prowess garnered her the Kerala State Award for Best Actress in 1993 and the National Film Award for Best Actress on two occasions, in 1993 and 2002. She has also received the 'Kalaimamani' award from the Government of Tamil Nadu in 2011, the 'Bharata Kala Ratna' from the Trinity Arts Festival in 2013, and the 'Kalarathna' fellowship from the Kerala Sangeetha Nataka Akademi in 2013,'Nrithya Kala Nipuna' by Mylapore Fine Arts in 2012, the 'Lifetime Achievement Award' by Kartik Fine Arts in 2015, and the 'Nrithya Choodamani' by Sri Krishna Gana Sabha in 2007, 'Viswa Kala Bharathi' by Bharat Kalachar in 2024.

डॉ. शोभना चन्द्रकुमार

डॉ. शोभना चन्द्रकुमार एक बहुमुखी कलाकार हैं जिन्हें भरतनाट्यम की निष्णात कलाकार, फीचर फिल्म अभिनेत्री, फिल्म कोरियोग्राफर, नाटककार, संगीतकार और नाट्य लेखिका होने की प्रतिष्ठा प्राप्त है।

2. 21 मार्च, 1970 को जन्मी, डॉ. शोभना ने देश–विदेश के दर्शकों के समक्षभरतनाट्यम की शास्त्रीय कला प्रस्तुत की है, जिसने विभिन्न पीढ़ियों के लोगों को आकर्षित किया है और जिसके लिए उन्हें आलोचकों की प्रशंसा भी मिली है। नाटक के प्राचीन संस्कृत ग्रंथनाट्य शास्त्र से प्रेरित उनकी पद्धति आम जनता के बीच लोकप्रिय है, जिससे उन्हें भरतनाट्यम के दायरे को व्यापक बनाने में मदद मिलती है। उन्होंने अपने तरीके में अभिनय के सूक्ष्म और नाटकीय दोनों रूपों को शामिल किया है ताकि वह दर्शकों को समाविष्ट कर सके। वह पद्म श्री पुरस्कार विजेता श्रीमती चित्रा विश्वेश्वरन और पद्म विभूषण पुरस्कार विजेता डॉ. पद्मा सुब्रह्मण्यम की शिष्या हैं। उनकी नृत्य शैली और भाव–भंगिमाएं प्रसिद्ध वझुवूर परंपरा कीउनके दोनों गुरुओं का एक शानदार संगम है, जो 50 वर्षों के उनके अभ्यास और प्रदर्शन में स्पष्ट रूप से दिखाई देता है।

3. डॉ. शोभना वर्ष 1992 से भरतनाट्यम की पारंपरिक कला सिखा रही हैं। एक संस्थागत कलाकार के रूप में, उन्होंने अपने छात्रों की व्यक्तिगत कला को विकसित किया है जहांबड़े पैमाने पर पारंपरिक पदवर्णम, पदम और जावली विशेष रूप से सिखाए जाते हैं। उनके नृत्य थिएटर प्रदर्शनों की सूची में पारंपरिक और समकालीन कार्य शामिल हैं, जैसे कि तिरुचित्रम्बलम, भाव, श्यामा, नायिका, संप्रदाय, सुर ताल श्रृंगारऔर नवरास। वह उस्ताद जाकिर हुसैन और विक्कू विनायक राम जैसे दिग्गजों को शामिल करते हुए भरतनाट्यम तथा हिंदुस्तानी संगीत के समावेश द्वारा हिंदू पौराणिक कथाओं, सामाजिक मुद्दों, महिलाओं की मुक्ति और संगीत को अपनी प्रस्तुति में शामिल करती हैं। समकालीन नृत्य में, उनकी रचनाओं ट्रांस, कृष्णा और माया रावण को दुनिया भर में 400 से अधिक बार प्रदर्शित किया गया है, जिसमें उन्होंने आधुनिक लेकिन प्रामाणिक तरीके से भारतीय पौराणिक कथाओं की व्याख्या करके दर्शकों को मंत्रमुग्ध कर दिया है।

4. डॉ. शोभना दक्षिण भारतीय फिल्म उद्योग की एक आदर्श शख्सियत हैं। उन्होंने छह भारतीय भाषाओं में 230 से अधिक फीचर फिल्मों में अभिनय किया है। उन्होंने अपनी भरतनाट्यम प्रस्तुतियों से सिनेमा में भरतनाट्यम के कला रूप में क्रांति ला दी है। अपनी प्रसिद्ध फिल्म मणिचित्राथजु में भरतनाट्यम नृत्य के प्रदर्शन के बाद इस कला की ओर झुकाव वाली केरल की हर बालिका इस कला रूप का अध्ययन करने के लिए प्रेरित हुई है। उन्होंने रजनीकांत के साथ कोचादैयन (2010) जैसी फिल्मों के लिए पारंपरिक नृत्यों की कोरियोग्राफी की है। उन्होंने मणिरत्नम द्वारा निर्देशित प्रतिष्ठित फिल्म थलपति और रावण में भी पारंपरिक नृत्यों की कोरियोग्राफी की। अंग्रेजी फिल्म डांस लाइक ए मैन (1993), जिसे सर्वश्रेष्ठ फीचर फिल्म का राष्ट्रीय फिल्म पुरस्कार मिला, की कोरियोग्राफी भी उन्होंने ही की थी। इसके अलावा, मणिचित्राथजु (1993) में उनका अभिनय, जिसके लिए उन्हें सर्वश्रेष्ठ अभिनेत्री का राष्ट्रीय पुरस्कार मिला, भारतीय फिल्म उद्योग में प्रतीकात्मक बन गया है बाद में अंग्रेजी फिल्म मित्र, माई फ्रेंड में अपने प्रदर्शन के लिए उन्हें सर्वश्रेष्ठ अभिनेत्री का दूसरा राष्ट्रीय पुरस्कार मिला।

5. डॉ. शोभना ने पारंपरिक नृत्य और रंगमंच के साथ दुनिया भर के प्रतिष्ठित स्थानों पर प्रदर्शन किया है। उन्होंने विश्व संगीत संस्थान, क्लीवलैंड म्यूजियम, म्यूसी गुइमेट और रिदम स्टिक्स फेस्टिवल सहित बहुत से उत्सवों में प्रस्तुति दी है। 1997 में, म्यूनिख, जर्मनी में एक धर्मार्थ कार्यक्रम माइकल एंड फ्रेंड्स में उन्हें शामिल किया गया, जहाँ माइकल जैक्सन शोस्टॉपर थे। उन्होंने उस्ताद जाकिर हुसैन, वल्लायापट्टी सुब्रमण्यम, विक्कु विनायक राम, डॉ. पद्मा सुब्रह्मण्यम, डॉ. सोनल मानसिंह, और अन्यप्रसिद्ध संगीतकारों और नृत्यांगनाओं के साथ प्रस्तुतियां दी हैं।

6. डॉ. शोभना के पास दो मानद डॉक्टरेट और एक डी. लिट की उपाधि है। वर्तमान में वह दक्षिण भारत के तंजावुर मंदिरों के वृतचित्रों का निर्देशन कर रही हैं।

7. डॉ. शोभना को कई पुरस्कारों से सम्मानित किया गया है। 2006 में उन्हें पद्म श्री पुरस्कार प्रदान किया गया। उनके उल्लेखनीय अभिनय कौशल ने उन्हें 1993 में सर्वश्रेष्ठ अभिनेत्री के लिए केरल राज्य पुरस्कार और 1993 और 2002 में दो बार सर्वश्रेष्ठ अभिनेत्री के लिए राष्ट्रीय फिल्म पुरस्कार दिलाया। उन्हें 2011 में तमिलनाडु सरकार से 'कलईममानी' पुरस्कार, 2013 में ट्रिनिटी आर्ट्स फेस्टिवल में 'भारत कला रत्न' और 2013 में केरल संगीत नाटक अकादमी से 'कलारत्न' फेलोशिप भी मिली है। 2012 में उन्हें मायलापुर फाइन आर्ट्स द्वारा 'नृत्य कला निपुण', 2015 में कार्तिक फाइन आर्ट्स द्वारा 'लाइफटाइम अचीवमेंट अवार्ड' और 2007 में श्रीकृष्ण गण सभा द्वारा 'नृत्य चूडामणि', 2024 में भारत कलाचर द्वारा' विश्व कला भारती' सम्मान भी प्राप्त हुआ।